# Help & Helps Samiti

## OPEN SHELTER HOME FOR CHILDREN (BOYS)

छत्तीसगढ़ शासन
महिला एवं बाल विकास

# OBJECTIVE

महिला एवं बाल विकास

We provide permanent residential facilities for children but will complement the existing institutional care facilities. The objectives of these Open Shelters include:

- To attract above-mentioned target group of children from their present vulnerable life situation to a safe environment.
- To wean these children away from the vulnerable situations by sustained interventions.
- To guide these children away from high risk and socially deviant behaviors.
- To provide opportunities for education and develop their potential and talent.
- To enhance life-skills and reduce their vulnerabilities to exploitation.
- To reintegrate these children into families, alternative care and community.
- To carryout out regular follow up to ensure that children do not return to vulnerable situations.

# INTRODUCTION & VENUE

महिला एवं बाल विकास

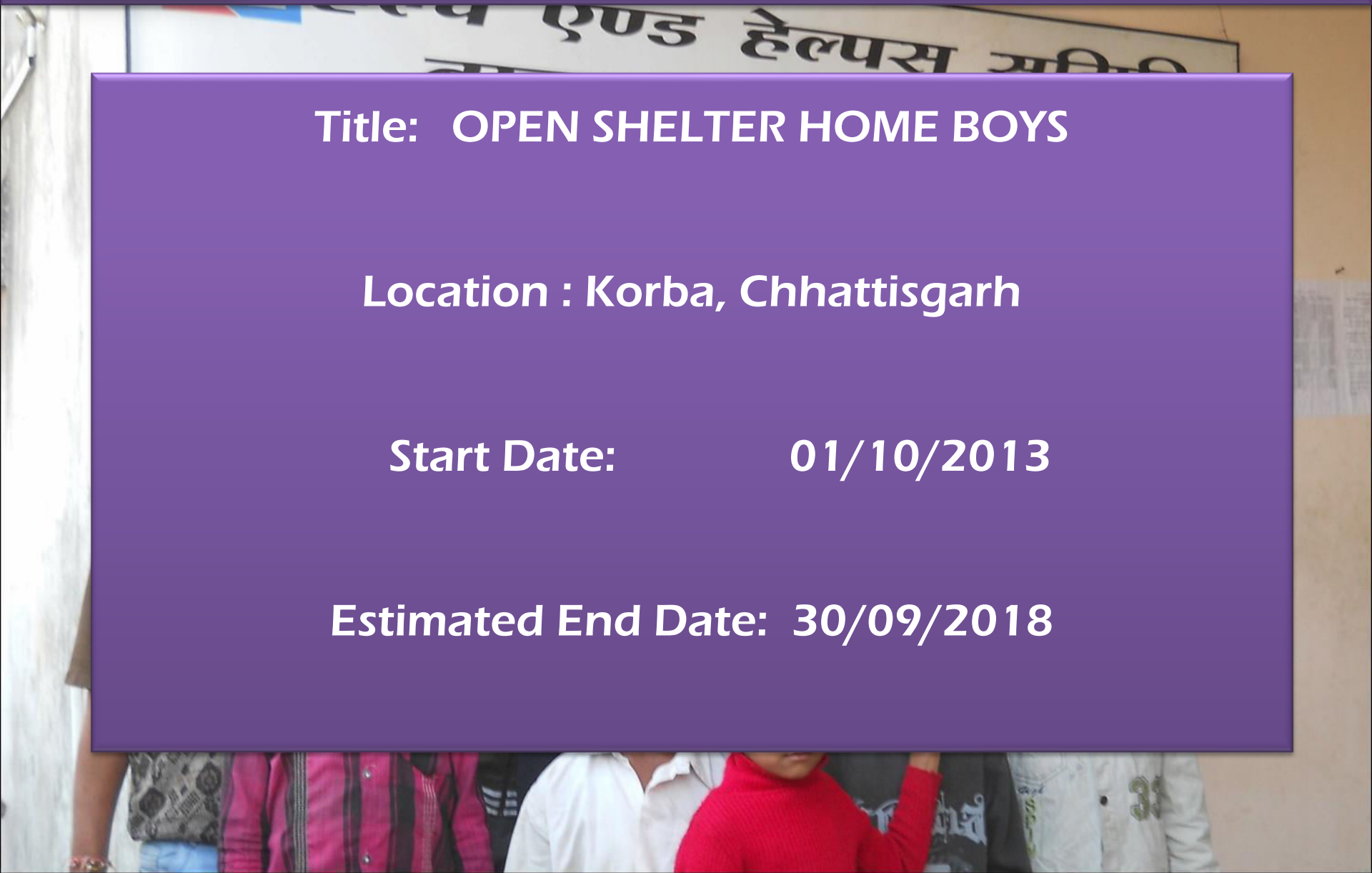

Title: OPEN SHELTER HOME BOYS

Location : Korba, Chhattisgarh

Start Date: 01/10/2013

Estimated End Date: 30/09/2018

# ACTIVITY

महिला एवं बाल विकास

- Identify such children within the geographical area/location of the Open Shelters.
- Use innovative child friendly approaches and outreach activities to make contact with them.
- Supplement services through Contact Locations that could be established on railway platforms, crowded market areas, tourist destinations, bus stands, etc.
- Contact Locations can be established running the 24-hour Open Shelters.
- Use techniques like music, drama, storytelling, outings and other child friendly methodologies to attract and sustain the interest of the children.
- Once children start participating, Open Shelters should introduce age-appropriate education, access to vocational training, recreation, bridge education, linkages to the National Open School Program, health care, counseling, etc.
- Cater to individual specific needs like substance abuse, behavioral problems and socially deviant behaviors among others.
- Encourage involvement of social workers, community volunteers, peer educators, students and others. This will provide opportunity to people with skills and time to mentor, guide and improve the quality of life of these children.

# Cont…

महिला एवं बाल विकास

- Provide life skills to children leading to personality enhancement, raising self esteem, developing a positive approach to life, improving communication skills, ability to deal with trauma, reducing risk and vulnerabilities, etc.
- Provide temporary stay facilities for children; and children requiring long term care shall be referred to the nearest Children's home.
- Function as 24-hour Crisis Management Centers to receive and provide necessary assistance to children.
- Provide accessibility to children of all age groups up to 18 years of age.
- Provide quality toilets, lockers for children to keep their belongings, washing facilities, recreational facilities both indoor and outdoor, etc.
- Provide health care facilities and refer children for specialized services for prevention of drug and substance abuse, HIV/AIDS/STIs and other chronic health disorders.
- Maintain standards of care and children should be encouraged to participate in the activities of Open Shelters.
- Prepare Individual Care Plan for each child.
- Maintain electronic data of each child.

# BENEFICIARY

महिला एवं बाल विकास

Open Shelters in urban and semi-urban areas will cater to all children in need of care and protection particularly beggars, street and working children, rag pickers, small vendors, street performers, orphaned, deserted, trafficked and run-away children, children of migrant population and any other vulnerable group of children.

# FINANCIAL

महिला एवं बाल विकास

| Sl. No. | Particular | Quantity | Rate in Rs. | Amount In Rs. |
|---|---|---|---|---|
| 1. | | | | |
| 2. | | | | |
| | | | Total | |

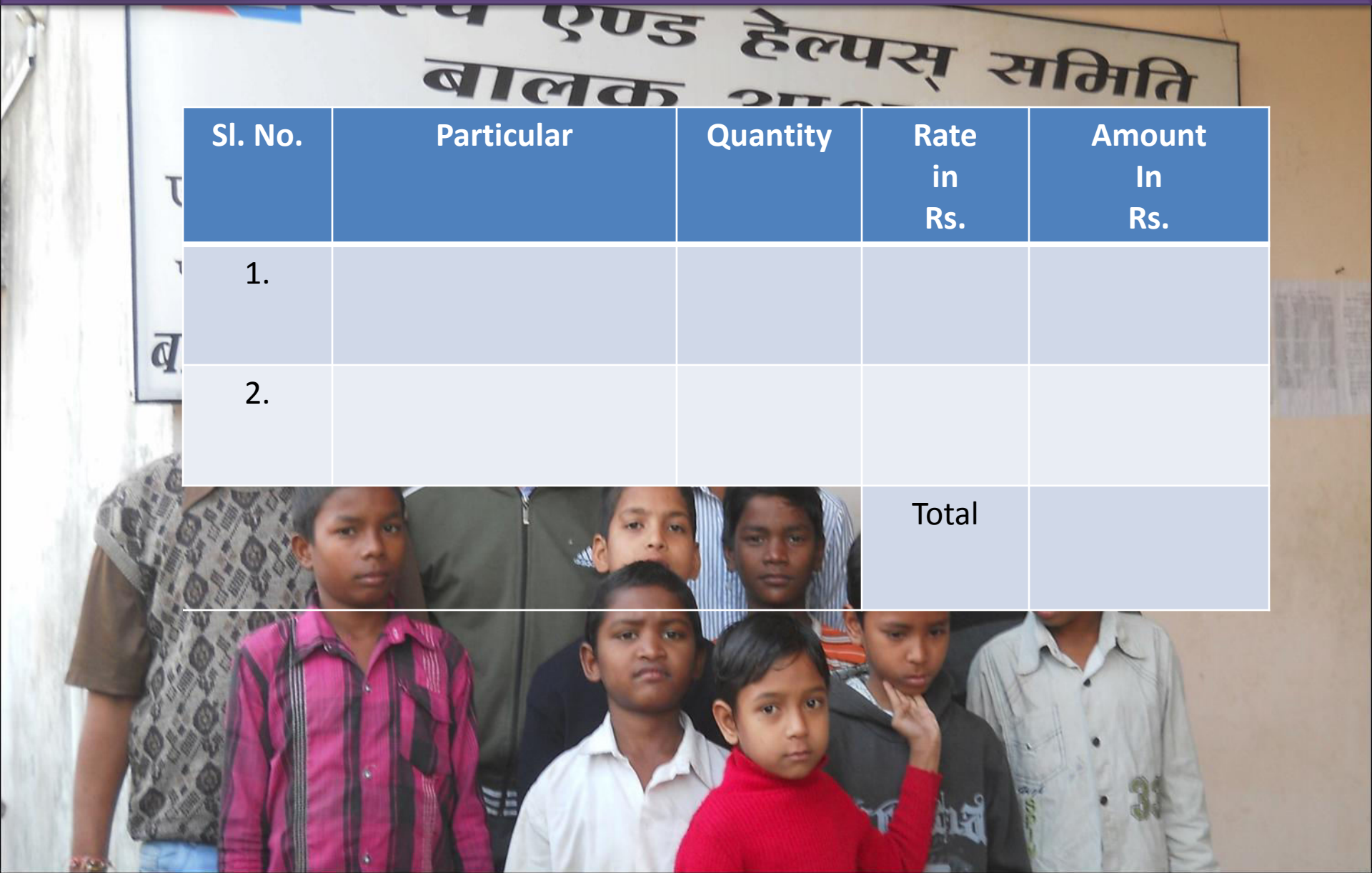

# THANKS

महिला एवं बाल विकास

We excessively thanks to –

Women & Child Welfare Department , Govt. of Chhattisgarh.

1. Mr. Dilip Wasnekar, IAS, Director
2. Mrs. Archana Singh Rana, Joint Director
3. Mr. Sunil Sharma, Additional Director.
4. Mrs. Anita Agrawal, DPO, Korba

Child Welfare Committee

Mr. Laxmi Narayan Jaiswal, Chairman

UNICEF

Mrs. Manisha Tiwari

All staff of Children home, members, local supporters, media, government departments.

# MEDIA COVERAGE

महिला एवं बाल विकास

नईदुनिया

www.naidunia.com

बिलासपुर, बुधवार 02 अक्टूबर 2013

तापमान

| कोरबा | कटघोरा |
|---|---|
| 28.19 | 29.29 |
| 21.08 | 22.09 |

सूर्यास्त आज: सायं 17:59.00 | सूर्योदय कल: प्रातः 05:52.00

शुभ समय: दिन: 01:59–03.28

कोरब

कटघोरा-पाली-व

## न्यूज गैलरी

323, 34 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

### बाल आश्रय गृह की स्थापना

**कोरबा।** हेल्प एंड हेल्पस् समिति द्वारा बाल आश्रय गृह की स्थापना सोमवार को रविशंकर शुक्ल नगर में गई। इस बाल आश्रय गृह को संचालनालय महिला एवं बाल विकास द्वारा स्वीकृति प्राप्त है। बाल आश्रय गृह एकीकृत बाल संरक्षण के तहत बच्चों के अस्थाई निवास, भोजन एवं देखरेख का कार्य करेगी। उद्घाटन समारोह में हेल्प एंड हेल्पस् समिति के अध्यक्ष शिवशंकर साहा, सचिव सुमीत राठौर, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती अनिता अग्रवाल, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष डॉ. एलएन जायसवाल, हेल्प एंड हेल्पस् समिति व बाल कल्याण समिति के सदस्य उपस्थित थे।

### मशाल रैली आज

**कोरबा।** पंचशील कौशल सेवा संस्थान द्वारा 2 अक्टूबर को नेहरू चौक ट्रांसपोर्ट नगर से सुबह 11.30 बजे मशाल रैली निकाली जाएगी। साथ ही नशीले पदार्थों की उपलब्धता एवं सेवन पर संयुक्त गोष्ठी आयोजन कर नशामुक्ति जन जागरण अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। समिति ने समस्त नागरिकों से कार्यक्रम में शामिल होकर देश सेवा में सहभागिता प्रदान करने का आग्रह किया है।

### समाज की बैठक आज

**कोरबा।** कायस्थ समाज कोरबा की बैठक

## प्रदेश स्तरीय महिला कांग्रेस सम्मेलन

सरकार हाथ पर हाथ धरे रही। प्रदेश के विकास के नाम पर सरकार ढोल पीट रहा है। रमन सिंह स्वयं अपने नाम के आगे डाक्टर लगाते हैं किंतु प्रदेश के चिकित्सालयों की दशा यह है कि चिकित्सालय तो है पर चिकित्सक नहीं हैं। इसी तरह विद्यालय तो हैं पर शिक्षक नहीं है। प्रदेश में जो खाद्यान्न योजना पहल कांग्रेस ने ही की है। अपने उद्बोधन में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. चरण दास महंत ने कहा कि प्रदेश में राज्य शासन भले ही प्रदेश के विकास की बात कह रहा है, किंतु यहां पसरी कुसाशन के चलते स्वास्थ्य, चिकित्सा, शिक्षा की दशा में अपेक्षित सुधार नहीं हो सका है। केंद्र द्वारा प्रदेश के विकास के सुरक्षित नहीं है। प्रदेश से 12000 से भी अधिक आदिवासी युवतियां गुमशुदा दर्ज हैं। स्कूल, छात्रावासों की सुरक्षा पर सेंध लग गया है। चहुंओर से गरीबों का शोषण हो रहा है। प्रदेश में इतना संसाधन है कि यदि कांग्रेस की सरकार प्रदेश में सत्तासीन हुई तो सभी गरीबों को 35 किलो चावल मुफ्त दिया जाएगा। रायपुर

## आतंकी हमले में कोरबा का सपूत शहीद

- जम्मू-कश्मीर में थी तैनाती, आज पहुंचेगा पार्थिव शरीर
- लिटियाखार में शोक का माहौल

कोरबा (निप्र)। जम्मू-कश्मीर के पूंछ इलाके में 26 सितंबर को हुई आतंकी हमले में जिले का एक और सपूत शहीद हो गया है। उसकी पार्थिव शरीर को लाकर पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जा सकता है।

देश के लिए जान न्यौछावर करने का जज्बा ही कुछ और होता है। जिले के कई ऐसे क्षेत्र है जहां के युवक फौज में भर्ती होकर देश सेवा कर रहे हैं। ऐसा ही एक युवक है दीपका थाना क्षेत्र के एक छोटे से गांव लिटियाखार के स्वर्गीय सीताराम श्रीवास का 28 वर्षीय पुत्र संजय श्रीवास। बताया जा रहा है कि संजय बंगाल इंजीनियरिंग रेजीमेंट 409 में सेना के जवान के रूप में कार्यरत था। उनकी तैनाती जम्मू-कश्मीर में थी। जबकि उनके दो पुत्र व पत्नी पंजाब के भटिंडा में सेना के आवास में रह रहे थे। संजय 26 सितंबर को अपनी ड्यूटी पर

को दी गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को दे दी थी। इसके साथ ही शहीद संजय के दो भाई पार्थिव शरीर को लेने रवाना हो गए थे। पुलिस के अनुसार भटिंडा से छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में शहीद जवान के शव को लेकर सेना के जवान व परिजन रवाना हो चुके हैं।

संभवतः वे बुधवार को दोपहर बिलासपुर पहुंच जाएंगे। यहां से पार्थिव शरीर को सड़क मार्ग से लिटियाखार लाया जाएगा। तत्पश्चात यहीं उनका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के

## जेल

## प्रशास

**कोरबा (निप्र)।** जिला जेल में मंगलवार की शाम 4.15 बजे पुलिस और प्रशासन की टीम द्वारा अचानक की गई छापामार कार्रवाई से हड़कंप मच गया। हालांकि एक घंटे तक चली जांच के बाद इस बार भी टीम को जेल से बैरंग ही वापस लौटना पड़ा। निरीक्षण के पश्चात वापस लौटे अधिकारियों ने यहां की स्थिति को लेकर संतुष्टि जताई है।

जिला जेल कोरबा आज से एक वर्ष पूर्व हमेशा चर्चा में रहा है। जेल के

### उपजेल में भी

एक ओर जहां एसडीएम व नगर पुलिस अधीक्षक की टीम ने मंगलवार की शाम जिला जेल में

# GALLERY

महिला एवं बाल विकास